

Workshop on Instructional Strategies held at ICAI University - June 03, 2019



कार्यशाला में भाग लेते प्रोफेसर और अन्य सदस्य

उत्तर मन्त्र संवाददाता

रांची। इत्फाई विश्वविद्यालय में छात्रों को प्रभावी ढंग से पढ़ाने के लिए अनुदेशनक रणनीतियों पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें विश्वविद्यालय के सभी संकाय सदस्यों ने भाग लिया। कार्यशाला का संचालन विश्वविद्यालय के अतिरिक्त प्रिंसिपल डॉ. सुरेशचंद्र मजूमदार ने किया। विभिन्न उच्च शिक्षा में शिक्षण के लिए गुणवत्ता के विश्वविद्यालय अनुसंधान में ये संकाय को कार्यशाला में भाग लेने के लिए विश्वविद्यालय द्वारा भेजा गया था। डॉ. मजूमदार ने शिक्षण में सीखने पर ध्यान केंद्रित करने और भागीदारी व संवाद उन्मुख शिक्षण को अपनाने की आवश्यकता

गौर दिया। शिक्षा को अधिक प्रभावी बनाने की जरूरत है। पाठ्यक्रमों को पढ़ाने के लिए संकाय सदस्यों को प्रेजेंटेशन ट्यूब और वेब कंटेंट जैसे उपयुक्त आर्गमेंटों उपकरण तैयार करने की सलाह दी। छात्रों को लर्निंग ऑब्जेक्टिव पर ध्यान केंद्रित करना तथा पहले से लेसन प्लान तैयार करने को भी कहा। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. ओ.आरएस राय ने संकाय सदस्यों को संबोधित करते हुए कहा कि हमारा विश्वविद्यालय शिक्षण-शिक्षण प्रक्रियाओं को गुणवत्ता में सुधार के लिए नवीनतम शैक्षणिक उपकरण और प्रौद्योगिकी को लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है।



इत्फाई विवि में कार्यशाला हुई

रांची (प्रभा)। इत्फाई विश्वविद्यालय में सोमवार को अनुदेशनक रणनीतियों पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें विश्वविद्यालय के सभी संकाय सदस्यों ने भाग लिया। इसका संचालन विश्वविद्यालय के सहायक प्रिंसिपल डॉ. सुरेशचंद्र मजूमदार ने किया। डॉ. मजूमदार ने शिक्षण में सीखने पर ध्यान केंद्रित करने और भागीदारी व संवाद उन्मुख शिक्षण को अपनाने पर जोर दिया। उन्होंने पाठ्यक्रमों को पढ़ाने के लिए संकाय सदस्यों को प्रेजेंटेशन ट्यूब और वेब कंटेंट जैसे उपयुक्त आर्गमेंटों का उपयोग करने की सलाह दी। कुलपति प्रो. ओ.आरएस राय ने कहा कि शिक्षण-शिक्षण प्रक्रियाओं को गुणवत्ता में सुधार के लिए नवीनतम शैक्षणिक उपकरण और प्रौद्योगिकी को लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है।



इत्फाई विवि में स्टूडेंट्स को प्रभावी ढंग से पढ़ाने के लिए हुई कार्यशाला

रांची (प्रभा)। इत्फाई विश्वविद्यालय में सोमवार को प्रभावी ढंग से पढ़ाने के लिए अनुदेशनक रणनीतियों पर कार्यशाला आयोजन का एक कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के सभी संकाय सदस्यों ने भाग लिया। कार्यशाला का संचालन विश्वविद्यालय के अतिरिक्त प्रिंसिपल डॉ. सुरेशचंद्र मजूमदार ने किया। डॉ. मजूमदार ने शिक्षण में सीखने पर ध्यान केंद्रित करने और भागीदारी व संवाद उन्मुख शिक्षण को अपनाने पर जोर दिया। उन्होंने पाठ्यक्रमों को पढ़ाने के लिए संकाय सदस्यों को प्रेजेंटेशन ट्यूब और वेब कंटेंट जैसे उपयुक्त आर्गमेंटों का उपयोग करने की सलाह दी। कुलपति प्रो. ओ.आरएस राय ने कहा कि शिक्षण-शिक्षण प्रक्रियाओं को गुणवत्ता में सुधार के लिए नवीनतम शैक्षणिक उपकरण और प्रौद्योगिकी को लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है।

इत्फाई विश्वविद्यालय में कार्यशाला



कार्यशाला में भाग लेते प्रोफेसर और अन्य सदस्य

उत्तर मन्त्र संवाददाता

रांची। इत्फाई विश्वविद्यालय में छात्रों को प्रभावी ढंग से पढ़ाने के लिए अनुदेशनक रणनीतियों पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें विश्वविद्यालय के सभी संकाय सदस्यों ने भाग लिया। कार्यशाला का संचालन विश्वविद्यालय के अतिरिक्त प्रिंसिपल डॉ. सुरेशचंद्र मजूमदार ने किया। विभिन्न उच्च शिक्षा में शिक्षण के लिए गुणवत्ता के विश्वविद्यालय अनुसंधान में ये संकाय को कार्यशाला में भाग लेने के लिए विश्वविद्यालय द्वारा भेजा गया था। डॉ. मजूमदार ने शिक्षण में सीखने पर ध्यान केंद्रित करने और भागीदारी व संवाद उन्मुख शिक्षण को अपनाने की आवश्यकता

गौर दिया। शिक्षा को अधिक प्रभावी बनाने की जरूरत है। पाठ्यक्रमों को पढ़ाने के लिए संकाय सदस्यों को प्रेजेंटेशन ट्यूब और वेब कंटेंट जैसे उपयुक्त आर्गमेंटों उपकरण तैयार करने की सलाह दी। छात्रों को लर्निंग ऑब्जेक्टिव पर ध्यान केंद्रित करना तथा पहले से लेसन प्लान तैयार करने को भी कहा। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. ओ.आरएस राय ने संकाय सदस्यों को संबोधित करते हुए कहा कि हमारा विश्वविद्यालय शिक्षण-शिक्षण प्रक्रियाओं को गुणवत्ता में सुधार के लिए नवीनतम शैक्षणिक उपकरण और प्रौद्योगिकी को लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है।



इत्फाई विश्वविद्यालय में हुई कार्यशाला



रांची। छात्रों को प्रभावी ढंग से पढ़ाने के लिए अनुदेशनक रणनीतियों पर सोमवार को इत्फाई विवि में कार्यशाला हुई। सहायक प्रिंसिपल डॉ. सुरेशचंद्र मजूमदार ने शिक्षण में सीखने के साथ-साथ भागीदारी व संवाद उन्मुख शिक्षण को अपनाने पर जोर दिया। पाठ्यक्रमों को पढ़ाने के लिए संकाय सदस्यों को प्रेजेंटेशन ट्यूब और वेब कंटेंट जैसे उपकरण तैयार करने की सलाह दी। इत्फाई विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. ओ.आरएस राय ने कहा कि शिक्षण-शिक्षण प्रक्रियाओं को गुणवत्ता में सुधार के लिए नवीनतम शैक्षणिक उपकरण और प्रौद्योगिकी को लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है।